

कहना स्त्री. (तद्.) 1. कथन, कहना 2. लोकोक्ति, उक्ति 3. वचन, कही हुई बात 4. कहावत 5. लोक में प्रचलित किसी पद्य या गद्य का महत्वपूर्ण अंश।

कहनाहारी स्त्री. (देश.) 1. कहने वाली 2. कहने योग्य, बताने योग्य, कथनीय।

कहना स.क्रि. (तद्.) 1. बोलकर विचार प्रगट करना या भावों की अभिव्यक्ति करना 2. सार्थक पद का उच्चारण करना, बोलना। 3. सूचना देना 4. घोषणा करना 5. समझाना-बुझाना **पुं.** (तद्.) 1. कथन, वचन (बात) 2. आदेश 3. सलाह 4. अनुरोध, प्रार्थना, निवेदन उदा. मुझे जो कहना था सो बता दिया, अब अपनी बात कहो (सुनाओ) मुहा. कहना बदना-किसी बात का निश्चय करना; कहना-सुनना-बातचीत या वार्तालाप करना; किसी के कहने (कहने-सुनने) में आना- किसी की असंगत या झूठी बातों में आकर (ठीक समझकर) उनके अनुसार चलना; किसी के कहने पर चलना-आदेश या सलाह के अनुसार काम करना, अनुचित या अनुपयुक्त बात कहना, (भली-बुरी बात करना) जैसे- जो एक कहेगा वह चार सुनेगा पद. 1. कहने की बात- महत्वपूर्ण बात 2. कहने को (कहने भर को)- नाममात्र को, यों ही, 3. कहने-सुनने को- कहने भर को।

कहनाउत स्त्री. (देश.) दे. कहनावत।

कहनावत स्त्री. (देश.) कहावत, लोकोक्ति, (उक्ति) उदा. ठाकुर या कहनावत और की साँचियै आजहूँ आनि परी है -ठाकुर (45)।

कहनि स्त्री. (तद्.) कहनी, कथन, उक्ति।

कहनी स्त्री. (देश.) कथन, कहानी, कथा, वार्ता।

कहर पुं. (अर.) 1. दैवी कोप 2. विपत्ति, आपदा संकट 3. दैवी आपदा 4. विकराल क्रोध मुहा. कहर करना घोर अत्याचार करना, बड़ी आपदा खड़ी करना, भीषण काम करना; कहर टूटना/ गिरना/ पड़ना/ढलना- भीषण विपत्ति आ जाना; कहर ढाना (तोड़ना)- भीषण क्रोध करना; कहर

बरसना- गजब करना; कहर मचाना- भीषण उत्पात या उपद्रव होना।

कहरना अ.क्रि. (देश.) 'कराहना' क्रि.वि. (देश.) कराह कर उदा. कहरि-कहरि उठै -तुलसी (कविता. 6/42)।

कहरवा पुं. (देश.) संगी. संगीत की एक ताल, धुन।

कहरी वि. (अर.) 1. उत्पाती, कहर ढाने (मचा देने) वाला जैसे- कहरी आपदा, कहरी बाढ़ 2. अत्याचारी 3. बहुत संकट या मुसीबत (आपदा) लाने वाला 4. बहुत क्रोधी।

कहरुबा पुं. (फा.) घास को अपनी ओर आकर्षित करने वाला एक हल्का पत्थर, तृणमणि 2. एक पेड़ जिसका गोंद या राल धूप नाम से प्रसिद्ध है।

कहल पुं. (देश.) 1. ताप, गर्मी 2. वर्षाकाल में हवा बंद हो जाने पर होने वाली गर्मी, उमस 3. दुख, वेदना, दुख-दर्द **स्त्री.** (तद्.) 'कहन' 'कहना', उपदेश।

कहलना अ.क्रि. (देश.) 1. अकुलाना 2. गर्मी से व्याकुल होना 3. चैन न पड़ना (बेचैन होना)।

कहलवाना स.क्रि. (देश.) कहलाना, (कहना का प्रेरणार्थक रूप)।

कहलाना¹ स.क्रि. (देश.) 1. कहने का काम किसी अन्य व्यक्ति से कराना ('कहना' का प्रेर. रूप) 2. किसी के द्वारा संदेश भेजना **अ.क्रि.** (तद्.) किसी विशिष्ट नाम या 'अल्ल- से पुकारा जाना, (प्रसिद्ध होना) उदा. जीवन लाल अपनी सादगी और भक्तों जैसी प्रकृति के कारण 'भगत जी' कहलाते हैं।

कहलाना² अ.क्रि. (देश.) गर्मी से बेचैन या व्याकुल होना 2. अकुलाना।

कहलाने वि. (देश.) 1. ग्रीष्म या ताप से व्याकुल उदा. कहलाने एकत बसत अहि मयूर मृग बाघ -बिहारी(489) 2. व्याकुल बेचैन, अकुलाया हुआ।

कहलार पुं. (देश.) कहलार, कोकाबेली, सफेद कमल 2 कमल।